



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 528] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 11, 1976/आश्विन 20, 1898

No. 528] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1976/AGRAHAYANA 20, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 11th December 1976

S.O. 786(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purposes of such supply (including the works connected with the supply of electrical energy to the public, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited, Neyveli, in the State of Tamil Nadu) would prejudicially effect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months with effect from the 12th December, 1976.

[No. S. 42011/3/76/DI(A)]

1). BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.

अस मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1976

का० प्रा० 786(अ).—केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाएँ बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है ;

और तमिलनाडु राज्य में जनता को लिए विद्युत ऊर्जा के प्रदाय अथवा इस प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण (जिसमें तमिलनाडु राज्य में नेरेली लिमिटेड कारपोरेशन लिमिटेड, नेरेली से सम्बद्ध जनता को विद्युत ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेषण से संबंधित संकर्म शामिल हैं) से सम्बद्ध सेवाओं में कोई हड़ताल समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाएँ बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, उक्त सेवाओं में हड़तालों रोकना आवश्यक और समीचीन है ;

अतः अब, भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाओं में किसी औद्योगिक विवाद से संबंधित किसी हड़ताल को 12 दिसम्बर, 1976 से छः मास की अवधि के लिए प्रतिषिद्ध करती है ।

[सं० एस 42011/5/76-डी 1(ए)]

डी रॉडयोप्राप्त, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
निर्वाहक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976